PONDA SCHOOLS' ASSOCIATION

JOINT FIRST TERMINAL EXAMINATION OCTOBER, 2018

Marks : **80** Sub : **HINDI** STD. : **X**

Date : **02/11/2018** **Seat No.** | | | | | TIME : **2½ hrs**

प्र. १ अ) **निम्नलिखित गद्यखंड के आधार पर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

''प्रतिवर्ष जल-पर्यटन और जल-क्रीडा के समय होनेवाली दुर्घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं । यदि गोवा आनेवाला पर्यटक-युवा वर्ग नियमों का पालन करे, संयम में रहे तथा सामूहिक मानसिकता से बचकर रहे तो इन दु:खद घटनाओं से बचा जा सकता है । पर्यटन मंत्रालय ने जो नियम और मर्यादाएँ निश्चित की है उनका पालन करना सभी के लिए आवश्यक हैं ।''

प्रश्न :

१) **यह गद्य-खंड किस पाठ से लिया** गया है और उस पाठ के लेखक का नाम क्या है ? १

२) किन बातों का पालन करना सभी के लिए आवश्यक है ? १

आ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर १५-२० शब्दों में लिखिए :** ६

१) नारद की पवित्र वीणा से साहब को क्या फायदा होनेवाला था ?

२) प्रि. भावे ने छात्र माशेलकर से क्या कहा ?

३) घर से रुखसत होते समय अहमदू की बीबी ने उससे क्या कहा था ?

४) देश-विदेश से पर्यटक बडी संख्या में गोवा कब आते है ?

प्र. २ अ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर ४०-५० शब्दों में लिखिए :** १२

१) बीजक मिलने पर प्रभुदास जी के मन में कौन-से विचार आए ?

२) योगेन्द्र सिंह यादव के मन में देश रक्षा की भावना कैसे जागृत हुई ?

३) डॉ. माशेलकर जी आज के मौजवानों के सामने किस कारण आदर्श मिसाल बने हुए हैं ?

४) धर्मराज ने चित्रगुप्त को रिटायर करने की बात क्यों की ?

प्र. ३ अ) **निम्नलिखित काव्य पंक्तियों के आधारपर उसके नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

ऐसे थे अरमान कि उडते
नीले नभ की सीमा पाने,
लाला किरण-सी चोंच खोल
चुगते तारक-अनार के दाने ।

प्रश्न

१) यह पद्यांश किस कविता से लिया गया है ? १

२) पंछी का अरमान किस सीमा तक पहुँचने का रहा ? १

Scanned by DocumentScanner | Lufick

आ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर १५-२० शब्दों में लिखिए :** ४

१) भगवान के सुमिरन के बारे में कबीर ने क्या कहा है ?

२) श्री रामजी को देखने के बाद माँ कौवे को क्या देना चाहती है ?

३) कवि के अनुसार अंधकार दूर होने पर क्या होगा ?

इ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर २५-३० शब्दों में लिखिए :** ६

१) कवि हमें सैनिकों की कुरबानी को याद करने के लिए क्यों कहता है ?

२) किताबों के माध्यम से रिश्ते कैसे बनते थे ?

३) बहुत दिनों के बाद कविता में कवि ने पकी फसल का वर्णन कैसे किया है ?

प्र. ४ अ) **निम्नलिखित क्रियाओं में से किन्हीं दो क्रियाओं का सार्थक वाक्यों में सहायक क्रिया के रुप में प्रयोग कीजिए ।** २

१) उठना २) आना ३) लगना

आ) **कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य परविर्तन कीजिए ।** २

१) सुमन यह कहानी पढ़ेगी । (आज्ञावाचक वाक्य में)

२) उसके पिताजी बिमार है । (संदेहवाचक वाक्य में)

इ) **निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए ।** २

१) सरहद २) जाहिल ३) मीन

ई) **निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का विशेषण रुप लिखिए ।** २

१) विकास २) डर ३) दुष्टता

उ) **निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का प्रसंगानुसार भिन्न-भिन्न अर्थ स्पष्ट करने के लिए उसका अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।** २

१) हल २) पद

प्र. ५ अ) **निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के भाववाचक संज्ञा रुप लिखिए ।** २

१) मोटा २) लडना ३) चतुर

आ) **निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखकर उन मुहावरों का सार्थक तथा स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।** ४

१) चकमा देना २) दम तोडना ३) असर होना

Scanned by DocumentScanner | Lufick

इ) **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर १००-१५० शब्दों में निबंध लिखिए ।** ६

१) एक बाढ़-पीडित की आत्मकथा २) सैनिक-देश का रक्षक

३) आजकल भ्रमणध्वनी का बढ़ता महत्त्व ४) मछली बाजार में एक घंटा

प्र. ६ अ) **निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार किसी एक पत्र का प्रारुप तैयार कीजिए ।** ५

वीरा/वीरेश प्रभूदेसाई, रुपकमल-परवरी-गोवा से अपने दोस्त/सहेली को दिपावली की छुट्टियाँ उनके साथ मनाने के लिए निमंत्रीत करती/करता है ।

अथवा

शबनम/शब्बीर शेख, कशीश्मा अपार्टमेंट, फोंडा-गोवा से अपने शहर में पीने के पानी की समस्या दूर करने के लिए जल विभाग के अधिकारी, नगरपालिका, फोंडा-गोवा को पत्र लिखती/लिखता है।

आ) **निम्नलिखित रुपरेखा के आधारपर एक कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक तथा सीख लिखिए :** ५

एक बड़ा जमींदार --- कई नौकर - चाकर - खेती की आमदनी का न बढ़ना -- मिल की सलाह - ''सुबह खेत की सैर करो'' --- कुछ नौकर गायब, कुछ चीजें गायब -- आँखें खुलना --- खुद काम में लग जाना ---- रोज देख-भाल -- सभी में उत्साह --- आमदनी बढ़ना -- सीख ।

प्र ७ **निम्नलिखित गद्यखंड को पढ़कर उसके नीचे दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

वृक्ष सदा से ही मनुष्य के मित्र रहे हैं । उनसे मनुष्य को बहुत लाभ मिलते हैं । वे मानवजीवन के आवश्यक अंग हैं । इसीलिए प्राचीन काल से हमारे यहाँ 'वृक्षारोपण' की बड़ी महिमा है । देश में वृक्षों की अधिकता देशवासियों के सुख, सौभाग्य और समृद्ध्दि की निशानी है ।

वृक्षारोपण को एक पुण्य कार्य माना गया है । एक वृक्ष लगाना और उसका संरक्षण करना उतना ही महत्त्वपूर्ण है, जितना किसी बच्चे को गोद लेना और उसका पालनपोषण तथा विकास करना । अग्निपुराण में कहा गया है कि जो वृक्ष लगाता है वह अपने तीस हजार पितरों का उदधार करता है।

वृक्षारोपण से मनुष्य को अनेक लाभ होते हैं । वृक्षों के फलने-फूलने से सूने स्थान की सुंदर बन जाते हैं । वृक्षों की हरियाली मन को प्रसन्न करती है । उनकी शीतल छाया गर्मी की दोपहर में सुख-शांति देती है । उनके फूल-फल तथा पत्ते-लकड़ी हमारे लिए बहुत उपयोगी होते हैं । वृक्षों से कागज़, दियासलाई, गोंद, भाँति-भाँति की दवाइयाँ और तेलों की प्राप्ति होती है ।

वृक्षों से वायुमंडल शीतल और शुद्ध बनता है । शुद्ध हवा लोगों को स्वस्थ बनाती है । बादल वृक्षों से आकृष्ट होकर वर्षा करते हैं, जिससे अकाल का भय दूर होता है । खेतों के चारों ओर वृक्ष लगाने से वर्षा में मिट्टी का संरक्षण होता है और अनाज का उत्पादन बढ़ता है । नदी के किनारे वृक्ष लगाने से किनारों का कटाव रुकता है । सड़को के किनारे वृक्ष लगाने से सड़कों की शोभा बढ़ती है और पथिकों को छाया मिलती है ।

सचमुच, वृक्षारोपण हमारा एक सामाजिक कर्तव्य है । वह जीवन को स्वस्थ, सुंदर और सुखी बनाने की एक अच्छी योजना है । प्रति वर्ष वनमहोत्सव मनाकर हमें इस योजना से सहयोग देना चाहिए । आज शहरों में 'वृक्ष लगाओ' सप्ताह मनाया जाता है । नगरपालिकाएँ भी वृक्षारोपण के कार्यक्रम को प्रोत्साहन देती हैं । स्व. प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जन्मदिवस पर वृक्षारोपण करने की परंपरा है । अधिकाधिक वृक्ष लगाने वाले व्यक्ति या संस्था को 'वृक्षमित्र' पुरस्कार भी दिया जाता है।

Scanned by DocumentScanner | Lufick

इसमें संदेह नहीं कि देश में हरे-भरे वृक्ष जितने अधिक होंगे, लोगों का जीवन भी उतना ही हरा-भरा होगा । इसलिए हमें वृक्षारोपण की प्रवृत्ति को उत्साहपूर्वक अपनाना चाहिए ।

प्रश्न

१) प्राचीन काल से हमारे यहाँ वृक्षारोपण का बड़ा महत्व क्यों रहा है ? १

२) देस में वृक्षों की अधिकता किस बात की निशानी समझी जाता है ? १

३) अग्निपुराण में वृक्ष लगाना किसके समान माना गया है ? १

४) वृक्षों से हमें किन चिजों की प्राप्ति होती है ? १

५) वृक्षों से अकाल का भय कैसे दूर होता है ? १

६) सड़कों के किनारे वृक्ष लगाने के क्या फायदे हैं ? १

७) वृक्षारोपण करना हमारा एक सामाजिक कर्तव्य है, ऐसा क्यों कहा गया है ? १

८) वृक्षमित्र पुरस्कार किसे दिया जाता है ? १

९) हमें वृक्षारोपण की प्रवृत्ति को उत्साहपूर्वक क्यों अपनाना चाहिए ? १

१०) उपर्युक्त गद्यखंड को उचित शीर्षक दीजिए । १

प्र. ८) निम्नलिखित गद्यखंड को पढ़कर उसके नीचे दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : ६

१३वीं शताब्दीं में बना कोणार्क का सूर्य मंदिर स्थापत्य कला का अद्‌भुत और बेजोड़ नमूना है । मंदिर का निर्माण कलिंग शैली में हुआ है । मंदिर के बगल में सूखी नदी चंद्रभागा है । ऐसी मान्यता है कि सूर्य, आकाश और पृथ्वी यहाँ सबसे पहले मिलते हैं । यह भव्य और विशाल मंदिर अपनी अनूठी कलात्मकता के लिए प्रसिध्द है । तथागत ने बताया कि विशु नामक कारीगर की देखरेख में इस मंदिर के निर्माण में बारह सौ कारीगर बारह वर्षो तक निरंतर लगे रहे और राज्य की बारह वर्षो की आय भी इसी पर व्यय की गई । सूर्य मंदिर का आँगन ५४० फूट चौड़ा और ८६५ फुट लंबा है। तल से शिखर तक की ऊँचाई २२५ फुट है । इस मंदिर को सूर्य के रथ का आकार दिया गया है । इसके दोनों तरफ बारह-बारह पहिए हैं । सात घोड़े रथ को खींचते हुए दिखाए गए हैं । पत्थर की बारीक कारीगरी अपने में बेजोड़ है । बारीक कारीगरी के कारण रथ पहिए की अनेक मूर्तियाँ स्थापित हैं । मूर्तियाँ इतनी सजीव हैं कि ऐसा लगता था जैसे अभी बोल पड़ेंगी ।

रथ के प्रत्येक पहिए में आट मोटी और उनके बीच में एक-एक पतली और बारीक तीली है । ये सभी पहिए गति, काल, एकता, पूर्णता, न्याय और सिध्दी के प्रतीक हैं । मंदिर की बाहरी दीवारों पर की गई नक्काशी देखते ही बनती है । हाथी और सिंह के चित्र ऐसे लगते हैं जैसे वे चिंघाड़ या दहाड़ रहे हों । ऐसा भव्य, विशाल और कलात्मक मंदिर देखने की मैंने कल्पना भी नहीं की थी । पूरा मंदिर कलाकारों के श्रम और साधना की कहानी कहता प्रतीत होता है ।

प्रश्न

१) कोणार्क सूर्य मंदिर किसलिए प्रसिध्द है ?

२) मंदिर के बारे में क्या मान्यता है ?

३) तथागत ने मंदिर के निर्माण के संबंध में क्या कहा है ?

४) रथ के सभी पहिए किस बात के प्रतिक है ?

५) रथ की मूर्तियों की क्या विशेषता बताई है ?

६) पूरा मंदिर हमें कौनसी कहानी कहता प्रतीत होता है ?

Scanned by DocumentScanner | Lufick